

पलाशांता स्त्री. (तत्.) गंधपत्ता, बनकचूर, कपूरकचरी।

पलाशाख्य पुं. (तत्.) नाड़ी हींग।

पलाशिनी स्त्री. (तत्.) 1. शुक्तिमान पर्वत से निकली एक नदी 2. रैवतक पर्वत से निकली एक नदी **वि.** (तत्.) 1. राक्षसी 2. पत्तों वाली।

पलाशी पुं. (तत्.) 1. राक्षस 2. एक फल, खिरनी नामक फल, क्षीरिका 3. शढी, करर 4. कचरी 5. लाख **वि.** (तत्.) 1. मांसाहारी, मांसभक्षी 2. पत्रयुक्त, पत्र विशिष्ट।

पलाशीय वि. (तत्.) पत्रयुक्त, पत्र विशिष्ट।

पलास पुं. (तद्.) 1. एक वृक्ष जो भारत के सभी प्रदेशों में मिलता है और जिस पर सूर्य लाल रंग के अर्द्धचंद्राकार फूल खिलते हैं 2. टेसू, केसू, काँवरिया, ढाक, धारा 3. गिद्ध जाति का एक मांसाहारी पक्षी (तत्.) 1. दो रस्सियों को परस्पर जोड़ने वाली गाँठ अथवा एक ही रस्सी के दो छोरों को जोड़ने वाली गाँठ 2. कनवास नामक मोटा कपड़ा 2. दे. कनवास।

पलिक वि. (तत्.) एक पल या पल भर वजन, जो तोल में एक पल हो।

पलिका पुं. (तत्.) एक प्रकार का ऊनी कालीन।

पलिकनी स्त्री. (तत्.) 1. पहली बार गाभिनी होने वाली गाय, बाल-गर्भिणी गौ 2. **वि.** ऐसी वृद्धा स्त्री जिसके बाल सफेद हो गए हों।

पलितंकरण पुं. (तत्.) पलित करने वाला, सफेद बनाने वाला।

पलित वि. (तत्.) 1. वृद्ध, बुढ़ा 2. पका हुआ केश या सफेद बाल 3. पुं. सिर के सफेद बाल होना 4. असमय या समय से पहले बाल पकने का एक रोग 5. ताप, गरमी 6. एक वनस्पति जिसे छरीला कहा जाता है 7. कीचड़ 8. गुग्गल 9. मिर्च।

पलितग्रह पुं. (तत्.) गुलचाँदनी, तगर।

पलिती वि. (तत्.) जिसे पलित रोग हो गया हो, पके बालों वाला।

पलिध पुं. (तत्.) 1. काँच का घड़ा, कराबा, थर्मस 2. घड़ा 3. प्राकार, चारदीवारी, प्राचरी 4. फाटक 5. गोशाला, गाय रखने या बाँधने का स्थान, गो-गृह 6. लौहगदा 7. अर्गल, अगरी।

पलिया पुं. (देश.) पशुओं का ऐसा रोग जिसमें उनका गला सूज जाता है, घटेरुआ।

पलिहर पुं. (देश.) 1. ऐसा खेत जिसे बरसात में बिना कुछ बोए केवल जोतकर छोड़ दिया जाए 2. ऐसे खेत जिसमें चैती फसल करनी हो पर जिसे जोत कर बिना बुआई के छोड़ दिया जाए।

पली स्त्री. (देश.) तेल, घी आदि द्रव्य पदार्थों को बड़े बरतन से निकालने वाला लोहे का उपकरण, लोहे की लम्बी छड़ी के आगे करछी जैसी कटोरी जुड़ा होना **मुहा.** पली-पली जोड़ना- पैसा-पैसा जोड़ कर धन संचय करना, थोड़ा-थोड़ा करके जमा करना।

पलीत पुं. (देश.) भूत, प्रेत, शैतान **वि.** (फा.) 1. दुष्ट, पाजी, गंदी वृत्ति वाला 2. धूर्त, चालाक 3. घृणास्पद, अपवित्र, गंदा, नीच।

पलीता पुं. (फा.) 1. चिराग की बत्ती 2. बत्ती के आकार में लिपटा हुआ ऐसा कागज जिसमें कोई मंत्र लिखा होता है और प्रेतग्रस्त लोगों को इसकी धूनी दी जाती है 3. बट आदि को काटकर या बटकर बनाई गई ऐसी बत्ती जिससे बंदूक या तोप के रंजक में आग लगाई जाती है **वि.** (फा.) 1. बहुत क्रुद्ध, क्रोध से लाल, आग-बबूला होना 2. द्रुतगामी, तेज दौड़ने वाला।

पलीती स्त्री. (फा.) लघुता सूचक ईकारांत प्रयोग दे. पलीता।

पलीद वि. (फा.) 1. अशुचि, गंदा, अपवित्र, नापाक 2. नीच, दुष्ट, धूर्त **पुं.** (देश.) भूत, प्रेत **मुहा.** मिट्टी पलीद करना- इज्जत उतारना।

पलेट स्त्री. (अं.) 1. लंबी पट्टी, पटरी 2. तश्तरी, रकाबी 3. कपड़े की पट्टी जो पहनने वाले कपड़े को सुंदर बनाने के लिए सिलाई के दौरान उसमें